बौद्ध दर्शन पर आधारित मूल्य शिक्षा :
एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

संतोष कुमार यादव

सार–संक्षेपः–बौद्ध दर्शन में मूल्य शिक्षा की स्थिति, विस्तार एवं वर्तमान में प्रासंगिकता पूर्णतः बौद्धकालीन शिक्षा दर्शन एवं व्यवस्था पर आधारित है, बौद्ध शिक्षा दर्शन एक ओर करोड़ों लोगों में शिक्षा के माध्यम से प्राण फूंकने में समर्थ है तो दूसरी ओर वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की कमियों को दूर करने में समर्थ है। प्रस्तुत शोध पत्र में बौद्ध दर्शन के शैक्षिक निहितार्थों का विस्तार से विवेचन किया गया है तथा बौद्ध–शिक्षा–दर्शन की वर्तमान में प्रासंगिकता पर भी विचार किया गया है। बौद्ध दर्शन मूल्य शिक्षा के लिए ऐसी दार्शनिक पृष्ठभूमि प्रदान करता है जो समकालीन भारतीय समाज के लिए उपयोगी एवं व्यवहारिक हो। समकालीन दौर में मूल्य शिक्षा की जरूरत प्रायः सभी समाजों द्वारा समझा जा रहा है और इसे लागू करने के विभिन्न प्रयास हो रहे है। भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष एवं बहुतावादी समाज में जो संस्कृति, धर्म एवं भाषा के स्तर पर व्यापक विविधताएं रखता है। मूल्य शिक्षा को बिल्कुल दार्शनिक पृष्ठभूमि से काटकर नहीं देखा जा सकता। बौद्ध दर्शन विश्वदृष्टि, नीति एवं साधना तीनों ही दृष्टियों से मूल्य शिक्षा के लिए बेहद उपयुक्त आधार प्रदान करता है।